No. of Printed Pages: 2

(35)

SARDAR PATEL UNIVERSITY
SYBA (External) EXAMINATION
Thursday,6th March-2014
2-30 p.m.to 5-30 p.m.
Hindi Compulsory(Non-English Stream)

कुल गुण :१००

प्रश्न-१ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (१६)

अ. "शिक्षा की जितनी व्यापक व गहरी व्यवस्था होगी, समाज उतना ही अधिक पुष्ट और गम्भीर होगा।"

अथवा

अ. "समीक्षक का कृति या लेखक विशेष से कुछ वैसा ही सम्बन्ध होता है, जैसा लेखक का जीवन के यथार्थ से।

ब. "नव गति, नव लय, ताल छंद, नव
नवल कंठ, नव जलद मंद रव
नव नभ के नव विहग वृंद को
नव पर, नव स्वर दे !"

अथवा

ब. "फुर-फुर उड़ी फुहार अलक हल मोती छाए री,
खड़ी खेत के बीच किसानिन कजरी गाए री,
झर-झर झरना झरे, आज मन-प्राण सिहाए री,
कौन जन्म के पुण्य कि ऐसे शुभ दिन आए री।"

प्रश्न-२ 'महाजनी सभ्यता' निबन्ध में व्यक्त प्रेमचन्द के विचार स्पष्ट कीजिए।

अथवा (१६)

प्रश्न-२ 'परमार्थ की प्रस्थानत्रयी' निबन्ध की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-३ 'प्रथम रश्मि' कविता का भावार्थ लिखिए।

अथवा (१६)

प्रश्न-३ कबीर की साखियों में व्यक्त मानवता स्पष्ट कीजिए। (०८)

प्रश्न-५ सुचना के अनुसार कीजिए।

क. सार संक्षेप लिखिए। (०८)

भारतीय साहित्य में दलित आत्मकथा ने एक विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है उसमें कोई शक नहीं है। दलित आत्मकथाएँ भारत की सभी भाषाओं में लिखी जाने लगी है, लेकिन उसको साहित्यिक विधा के रप में स्थापित करने का श्रेय मराठी में रची गई दलित आत्म-कथाओं को दे सकते हैं। मराठी दलित आत्मकथाओं से प्रेरणा पाकर भारत की अन्य भाषाओं में उसका प्रचार प्रसार हुआ। आज हिन्दी दलित आत्मकथाओं ने हिन्दी साहित्य में अपनी जड़े मजबूत कर ली है। दलित आत्मकथा लेखन में जिन दलित आत्मकथाकारों ने पहल की

उसमें-मोहनदास नैमिशराय, ओमप्रकाश वाल्मीकि, कौशल्या बैसंत्री, श्योराज सिंह बेचैन, कुसुम वियोगी, सूरजपाल चौहान, स्पनारायण सोनकर, धर्मवीर, माता प्रसाद, तुलसीराम, सुशीला टाकभौरे आदि प्रमुख हैं।

ख. पल्लवन कीजिए। (०८)

'क्रोध एक तरह का रोग होता है, जिसे क्षणिक पागलपन भी कह सकते हैं'।

ग. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (१०)

१. जमीन पर पाँव न रखना	२. पाँव फैलाना
३. कान भरना	४. नौ-दो ग्यारह हो जाना
५. इद का चाँद हो जाना	६. आँखे दिखाना
७. नाच न जाने आँगन टेढ़ा	८. नाक कटना
९. बात हज़म न होना	१०. घोड़ा बेचकर सोना

घ. निम्नलिखित कहावतों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (१०)

१. मुह में राम बगल में छूरी।	२. चमड़ी जाय मर दमड़ी न जाय।
३. मन चंगा तो कठौती में गंगा।	४. चोर की दाढ़ी में तिनका।
५. जैसा देश वैसा भेष।	६. जान है तो जहान है।
७. गंगा गये गंगादास, यमुना गये यमुनादास।	८. न रहे बांस न बजे बासूरी।
९. जहाँ न जाए रवि वहाँ जाए कवि।	१०. दूध का जला छाछ को भी फूंक-फूंक कर पीना।

-x-